NT>

Title: Need to ensure procurement of wheat and mustard by Government agencies in Uttar Pradesh, particularly in Jalesar Parliamentary constituency.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि उ.प्र. में अधिकांश किसान, गेहूं की कटाई, मड़ाई तथा थ्रेसिंग कर चुके हैं। गेहूं का समर्थन मूल्य सरकार ने मात्र 10 रुपए प्रति कुंटल बढ़ाकर 620 रुपए किया है जबकि खाद, बिजली, पानी, दवाई और डीजल के दाम तुलनात्मक रूप से ज्यादा बढ़े हैं। गेहूं का समर्थन मूल्य कम से कम 750 रुपए कुंटल होना चाहिए। गेहूं खलिहान से घर में आ गया है, किन्तु मेरे लोक सभा क्षेत्र के एतमादपुर, टूंडला, जलेसर, सादाबाद एवं निधौली कलां में अभी तक सरकारी कांटे पर्याप्त मात्रा में नहीं लगे हैं तथा 620 रुपए की जगह सरकारी कर्मचारी 20 रुपए प्रति कुंटल विविध प्रकार की कटोती दर्शाकर तथा गेहूं की गुणवत्ता कम बताकर कम दे रहे हैं।

इसी प्रकार सरकों का समर्थन मूल्य भारत सरकार ने 1300 रुपए कुंटल घोषित किया है, लेकिन मेरी पूरी लोक सभा तथा मैं समझता हूं कि पूरे उत्तर प्रदेश में सरसों खरीदने के लिए एक भी कांटा अभी तक नही लगा है। कृपया किसान का संपूर्ण गेहूं तथा सरसों सरकारी कांटा लगाकर क्रय केन्द्र खोलकर समर्थन मूल्य पर खरीदने का कट करें ।